53 किलोग्राम वर्ग में प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति

Page-04

tv भारतवर्ष
सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

71वें जन्मदिन पर जानिए: बिना टिकट थिएटर में घुसने वाले

Page-05

# चीन का रेगिस्तान बना परमाणु किला! तीन-स्तरीय न्यूक्लियर नेटवर्क से अमेरिका की बढ़ी चिंता

चीन अपने उत्तर-पश्चिमी रेगिस्तानी इलाकों में लॉन्च पैड, भूमिगत बंकर, संचार नेटवर्क और किलेबंद ठिकानों का विशाल जाल बिछा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम चीन की परमाणु मिसाइलों को किसी भी संभावित हमले से सुरक्षित रखने और उसकी सर्वाइवल क्षमता बढ़ाने के लिए है। रिपोर्ट में दावा है कि चीन तीन स्तरों वाली सुरक्षा प्रणाली विकसित कर रहा है, जिसमें भूमिगत सुरंगें, मोबाइल लांच सिस्टम और अत्याधुनिक संचार ढांचा शामिल है।

अमेरिका और सहयोगी देशों की खुफिया एजेंसियां इस गतिविधि पर लगातार नजर रख रही हैं। विश्लेषकों के अनुसार, यह कदम वैश्विक शक्ति संतुलन को प्रभावित कर सकता है और एशिया-प्रशांत में सामरिक प्रतिस्पर्धा को और तेज करेगा।

### राष्ट्रीय सुरक्षा

## पंचकूला में हाई-पावर बम का परीक्षण, DRDO ने जारी किया सुरक्षा अलर्ट

हरियाणा के पंचकूला में स्थित रामगढ़ रेंज में 31 मई को DRDO द्वारा हाई-पावर बम का परीक्षण किया जाएगा। स्थानीय प्रशासन ने लोगों से घरों के अंदर रहने की अपील की है। यह परीक्षण TBRL की ओर से नियंत्रित परिस्थितियों में किया जाएगा। अधिकारियों ने अफवाहों पर ध्यान न देने और प्रशासन का सहयोग करने का अनुरोध किया है।

### मौसम अपडेट

## मौसम का बड़ा यू-टर्न! 19 राज्यों में बारिश-आंधी का अलर्ट

IMD ने 31 मई तक 19 राज्यों में तेज बारिश, आंधी और ओलावृष्टि की संभावना जताई है। मानसूनी परिस्थितियां अनुकूल हो गई हैं और आने वाले दिनों में तापमान में गिरावट के साथ राहत मिलने की उम्मीद है। किसानों के लिए यह अच्छी खबर है, वहीं लोगों को आंधी और बिजली से सावधान रहने की सलाह दी गई है।

### सेना समाचार

## 'ऑपरेशन सिंदूर' बना नया सैन्य मानक, NDA परेड में सेना प्रमुख का संदेश

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने NDA के 150वें कोर्स की पासिंग आउट परेड में कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने उकसावे के प्रति भारत की प्रतिक्रिया का नया मानक स्थापित किया है। उन्होंने युवा अधिकारियों से भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार रहने और सर्वोच्च अनुशासन के साथ देश सेवा करने का आह्वान किया।

### शिक्षा जगत

## CBSE रीवैल्यूएशन पोर्टल पर साइबर हमला, भुगतान प्रणाली में बड़ी गड़बड़ी

CBSE के रीवैल्यूएशन पोर्टल में अनधिकृत प्रवेश से भुगतान प्रक्रिया प्रभावित हुई। कुछ छात्रों को ₹1 से लेकर ₹68,000 तक की अलग-अलग राशि दिखाई दी। बोर्ड ने जांच शुरू कर दी है और छात्रों को केवल आधिकारिक वेबसाइट का उपयोग करने की सलाह दी है।

### अपराध समाचार

## भोपाल में अवैध कफ सिरप फैक्ट्री का पर्दाफाश, STF ने 7 आरोपियों को दबोचा

STF ने भोपाल के गांधी नगर में अवैध कफ सिरप निर्माण इकाई का भंडाफोड़ किया। 7 लोगों को गिरफ्तार कर भारी मात्रा में नशीला सिरप, रसायन, मशीनें और पैकेजिंग सामग्री बरामद की गई। जांच में सामने आया है कि यह नेटवर्क कई जिलों में फैला हो सकता है।

### राजनीति

## कर्नाटक कांग्रेस में नई खींचतान, चार डिप्टी CM फॉर्मूले पर डीके शिवकुमार की आपत्ति

डी.के. शिवकुमार ने कर्नाटक में चार डिप्टी सीएम नियुक्त करने के प्रस्ताव पर आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि इससे पार्टी के अंदर असंतोष बढ़ सकता है। इस मुद्दे पर कांग्रेस आलाकमान और राज्य नेतृत्व के बीच चर्चा जारी है।

# जम्मू-कश्मीर पर चीन-पाक बयान खारिज भारत ने दोहराया अपना सख्त रुख

**अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो का भारत दौरा भारत-अमेरिका संबंधों को नई मजबूती देने वाला माना जा रहा है। मोदी-रुबियो मुलाकात में व्यापार, रक्षा, तकनीक, ऊर्जा सुरक्षा और क्वाड साझेदारी जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा केंद्र में रही।**

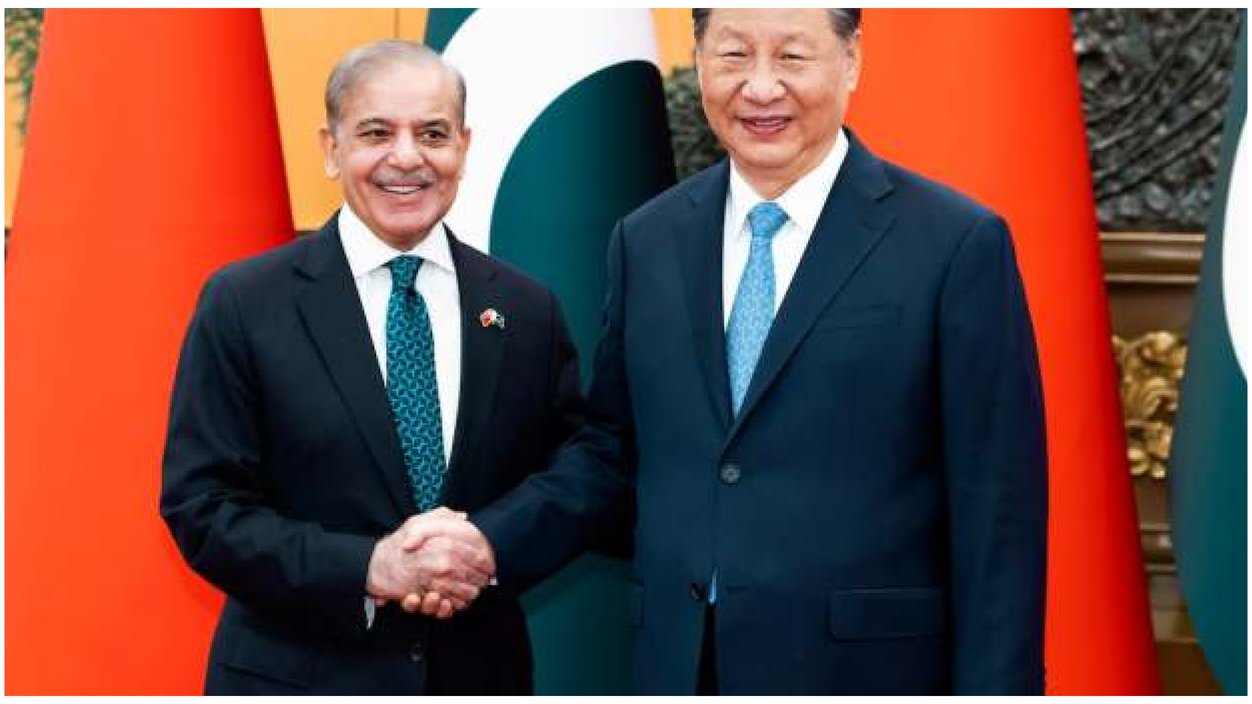

**टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय**

भारत-चीन सीमा मामलों पर परामर्श एवं समन्वय कार्य तंत्र (डब्ल्यूएमसीसी) की 35वीं बैठक के अवसर पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि दोनों पक्षों ने परिसीमन, सीमा प्रबंधन, तंत्र निर्माण और सीमा सहयोग से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की। भारतीय पक्ष ने सीमा पार नदियों पर अगली विशेषज्ञ स्तरीय बैठक शीघ्र आयोजित करने पर जोर दिया... हम सीमा पार नदियों पर हुई वार्ता में हुए सभी समझौतों को आगे बढ़ाना चाहते हैं, और दोनों पक्ष सीमा पार नदियों पर अगली वार्ता के लिए ठोस तैयारी करने के लिए मिलकर काम करने पर भी सहमत हुए, जो अब चीन में आयोजित होने वाली है। चीन के बीजिंग में महिला एवं बाल विकास परिषद (डब्ल्यूएमसीसी) की एक बैठक भी हुई। हमारी ओर से बैठक का नेतृत्व हमारे संयुक्त सचिव ने किया... हुई चर्चाएँ रचनात्मक रहीं और एक सकारात्मक कदम का प्रतिनिधित्व करती हैं। आने वाले दिनों में जैसे-जैसे घटनाक्रम और प्रगति सामने आएगी, हम आपको उससे अवगत कराते रहेंगे। उन्होंने आगे कहा कि कश्मीर मुद्दे के संबंध में, आपने देखा होगा कि हमने इस मामले पर अपना आधिकारिक रुख स्पष्ट करते हुए एक बयान जारी किया है। चीन और पाकिस्तान के संयुक्त बयान पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि चीन और पाकिस्तान द्वारा जारी संयुक्त बयान के संबंध में हमने अपना जवाबी बयान जारी किया है। यह एक अलग मुद्दा है। जहां तक विश्व परिषद सम्मेलन (WMCC) का सवाल है, वह पूरी तरह से एक अलग मामला है। चीन से संबंधित बयान के संबंध में हमने इस मुद्दे पर अपना दृष्टिकोण सार्वजनिक रूप से स्पष्ट कर दिया है और हमने अपना रुख सार्वजनिक कर दिया है। बता दें कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ 23 से 26 मई तक चीन के दौरे पर हैं। उन्होंने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग संग मुलाकात भी की। इस दौरान चीन और पाकिस्तान ने मंगलवार को एक संयुक्त बयान जारी किया। इस संयुक्त बयान में जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाया गया। चीन ने कहा कि यह विवाद पुराना है और इसे संयुक्त राष्ट्र चार्टर, सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों और द्विपक्षीय समझौतों के अनुसार शांतिपूर्ण तरीके से हल किया जाना चाहिए। केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भारत के अभिन्न और अविभाज्य हिस्से थे, हैं और हमेशा रहेंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत ने जम्मू-कश्मीर पर चीन और पाकिस्तान के संयुक्त बयान में की गई अनावश्यक टिप्पणियों को पूरी तरह खारिज किया है।

## आतंकी हमलों की साजिश रच रहे 9 आरोपियों को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने गिरफ्तार

**टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय**

देश के अलग-अलग शहरों को दहलाने की साजिश का खुलासा हुआ है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये सभी आरोपी पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी ISI और मुंबई अंडरवर्ल्ड के साथ जुड़े हुए थे। जांच में पता चला है कि इनकी प्लानिंग देश के अलग-अलग शहरों में आतंकी हमला करने की थी। फिलहाल हमले से पहले ही इनको गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं इनके पास से भारी मात्रा में विस्फोटक और हथियार बरामद किए गए हैं। फिलहाल दिल्ली पुलिस की स्पेशल टीम इन आरोपियों से पूछताछ में जुटी हुई है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल (NDR) ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI और मुंबई अंडरवर्ल्ड नेटवर्क के इशारे पर काम कर रहे 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जांच के दौरान खुलासा हुआ है कि इन आरोपियों को दिल्ली में महत्वपूर्ण सरकारी और रणनीतिक प्रतिष्ठानों (Vital Installations) के साथ-साथ सुरक्षा बलों के जवानों को निशाना बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार किए गए आरोपियों के कब्जे से हथियार और विस्फोटक सामग्री भी बरामद की गई है। पकड़े गए लोगों का मुंबई अंडरवर्ल्ड से भी कनेक्शन सामने आया है। इनके टारगेट पर क्रिटिकल इंस्टालेशन जैसे- पावर प्लांट, न्यूक्लियर प्लांट, बिजली घर, एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन और पावर हाउस थे। दिल्ली पुलिस की टीम ने मुंबई अंडरवर्ल्ड और ISI के गठजोड़ का खुलासा किया है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने 9 लोगों को गिरफ्तार किया है।

## म्यांमार के राष्ट्रपति मिन आंग ह्लाइंग बोधगया पहुंचे

**टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय**

म्यांमार के राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग शनिवार को बिहार के बोधगया पहुंचे। भारत सरकार ने उनके दौरे का स्वागत करते हुए इसे दोनों देशों के बीच गहरे आध्यात्मिक, ऐतिहासिक और जन-जन के संबंधों का प्रतीक बताया है। राष्ट्रपति ह्लाइंग का यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब उन्होंने हाल ही में म्यांमार के राष्ट्रपति पद की जिम्मेदारी संभाली है। बोधगया पहुंचने पर बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन ने एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया। भारत पहुंचने के बाद राष्ट्रपति मिन आंग ह्लाइंग ने बोधगया स्थित पवित्र महाबोधि मंदिर का दौरा किया। यह बौद्ध धर्म का प्रमुख तीर्थस्थल और यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल स्थल है। बौद्ध धर्म से जुड़े ऐतिहासिक और आध्यात्मिक संबंधों के कारण यह यात्रा विशेष महत्व रखती है। राष्ट्रपति मिन आंग ह्लाइंग का यह दौरा 30 मई से 2 जून तक चलेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर भारत आए म्यांमार के राष्ट्रपति का यह वर्तमान पद संभालने के बाद पहला भारत दौरा है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, इस यात्रा के दौरान भारत और म्यांमार के बीच सीमा सुरक्षा, कनेक्टिविटी, व्यापार और अन्य द्विपक्षीय मुद्दों पर व्यापक चर्चा होगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि दोनों देशों के संबंधों से जुड़े सभी महत्वपूर्ण विषयों पर बातचीत की जाएगी। उन्होंने कहा कि भारत का उद्देश्य म्यांमार के साथ अपने मित्रतापूर्ण और सभ्यतागत संबंधों को और आगे बढ़ाना है। जायसवाल ने बताया कि राष्ट्रपति की यात्रा में व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए विशेष कार्यक्रम भी शामिल किए गए हैं। राष्ट्रपति मिन आंग ह्लाइंग 1 जून को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे। इस दौरान दोनों नेता द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा करेंगे और रक्षा, व्यापार, संपर्क परियोजनाओं तथा क्षेत्रीय सहयोग से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करेंगे। इसके अलावा राष्ट्रपति नई दिल्ली में आयोजित एक विशेष बिजनेस फोरम में भी हिस्सा लेंगे, जहां दोनों देशों के उद्योग जगत के प्रतिनिधि मौजूद रहेंगे। राष्ट्रपति का दौरा 2 जून को मुंबई में समाप्त होगा।

## पाकिस्तान से लौट रहे अफगान शरणार्थियों से भरा ट्रक पलटा, 18 की मौत

**टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय**

एक ट्रक पलटने से शरणार्थियों की मौत हो गई है। ये सभी लोग पाकिस्तान से वापस आ रहे थे। इस हादसे में 35 लोग घायल भी बताए जा रहे हैं। घटना के बाद से मौके पर चीख-पुकार मच गई। आनन-फानन में घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है। बता दें कि हाल ही में पाकिस्तान के द्वारा शरणार्थियों को देश छोड़ने पर मजबूर किया जा रहा है, जिसके बाद से ये सभी लोग वापस अफगानिस्तान लौट रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को पूर्वी अफगानिस्तान के एक राजमार्ग पर यह हादसा हुआ है। जानकारी के मुताबिक पड़ोसी देश पाकिस्तान से लौट रहे अफगान शरणार्थियों को ले जा रहा एक ट्रक पलट गया। इस हादसे में कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई, जबकि 35 अन्य घायल हो गए। इसमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे थे। प्रांतीय राज्यपाल के प्रवक्ता अब्दुल मलिक नियाजई ने बताया कि यह हादसा लघमान प्रांत में काबुल को नंगरहार प्रांत से जोड़ने वाले मुख्य राजमार्ग पर हुई। उन्होंने बताया कि मृतकों में 10 बच्चे और पांच महिलाएं शामिल हैं और घायलों को

नंगरहार के अस्पतालों में इलाज के लिए ले जाया गया है। वहीं तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबिहुल्लाह मुजाहिद ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने पीड़ितों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। जानकारी के मुताबिक ये यात्री उन हजारों अफगानियों में शामिल थे जो हाल ही में पाकिस्तान से लौटे थे। पाकिस्तान ने 2023 में अवैध प्रवासियों पर कार्रवाई शुरू की थी और तब से कई लोगों को निर्वासित कर दिया है या उन्हें देश छोड़ने के लिए मजबूर किया है। इसी समय के आसपास ईरान ने भी अफगान प्रवासियों को निष्कासित करने की प्रक्रिया तेज कर दी थी।

## पाकिस्तान से बिल्कुल उलटी खबर सरकार लगातार पेट्रोल-डीजल के दाम घटा रही

**टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय**

एक तरफ पूरी दुनिया में पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों ने आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है। ईरान-अमेरिका और होर्मुज स्ट्रेट में तनाव लगातार जारी है। जिसका असर अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार पर साफ दिखाई दे रहा है। भारत समेत कई देशों में पेट्रोल और डीजल महंगे हो रहे हैं। लेकिन इसी बीच पाकिस्तान से बिल्कुल उलटी खबर सामने आई है। वहां सरकार लगातार पेट्रोल-डीजल के दाम घटा रही है। पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार ने एक बड़ा फैसला लेते हुए पेट्रोल और हाई-स्पीड डीजल की कीमतों में भारी कटौती का ऐलान किया। नई घोषणा के बाद पेट्रोल और डीजल दोनों के दामों में सीधे 22 रुपये प्रति लीटर की कमी कर दी गई। दिलचस्प बात यह है कि यह सिर्फ एक बार की राहत नहीं है। मई महीने में पाकिस्तान सरकार लगातार तीसरी बार तेल की कीमतें कम कर चुकी है। सबसे पहले 15 मई को पेट्रोल और डीजल पांच रुपये प्रति लीटर सस्ता किया गया। इसके बाद 22 मई को फिर कीमतों में कटौती हुई, जिसमें पेट्रोल छह रुपये और डीजल करीब 6.80 रुपये प्रति लीटर सस्ता हुआ। अब

तीसरी बार बड़ी राहत देते हुए दोनों ईंधनों के दाम 22 रुपये तक घटा दिए गए हैं। अगर पूरे महीने का हिसाब देखें तो पाकिस्तान में मई के दौरान पेट्रोल कुल 33 रुपये प्रति लीटर सस्ता हो चुका है। वहीं हाई-स्पीड डीजल की कीमत में लगभग 33.80 रुपये प्रति लीटर की कमी आई है। ऐसे समय में जब दुनिया के कई देशों में तेल के दाम रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच रहे हैं, पाकिस्तान का यह फैसला चर्चा का विषय बना हुआ है। आपको बता दें कि पाकिस्तान में बीते कुछ महीनों से महंगाई ने लोगों की कमर तोड़ दी थी। मार्च और अप्रैल में पेट्रोल की कीमतें 414 रुपये प्रति लीटर से ऊपर पहुंच गई थीं। इसका असर सिर्फ गाड़ियों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि ट्रांसपोर्ट, माल ढुलाई और रोजमर्रा की चीजों के दाम भी तेजी से बढ़ने लगे। आम लोग परेशान हो गए और कई जगहों पर सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन भी शुरू हो गए। ऐसे में सरकार पर दबाव बढ़ने लगा। राजनीतिक अस्थिरता के डर और जनता की नाराजगी को देखते हुए सरकार ने राहत देने का रास्ता चुना।

## संपादक की कलम से

किसी भी राष्ट्र की प्रगति का सबसे मजबूत आधार उसकी शिक्षा व्यवस्था मानी जाती है। शिक्षा केवल रोजगार प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज को संस्कारित, जागरूक और विवेकशील बनाने की प्रक्रिया है। किंतु दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि आज भारत में शिक्षा का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। ज्ञान और चरित्र निर्माण का माध्यम मानी जाने वाली शिक्षा अब बड़े स्तर पर व्यवसाय में बदलती जा रही है। शिक्षा का बढ़ता बाजारीकरण न केवल इसकी गुणवत्ता पर प्रश्नचिह्न लगा रहा है, बल्कि सामाजिक असमानता और अवसरों की विषमता को भी बढ़ा रहा है।आज देश में निजी शिक्षण संस्थानों की संख्या तेजी से बढ़ी है। आधुनिक भवन, आकर्षक विज्ञापन, विदेशी पाठ्यक्रम और सुविधाओं के नाम पर शिक्षा को एक उत्पाद की तरह प्रस्तुत किया जा रहा है। स्कूलों और विश्वविद्यालयों के बीच प्रतिस्पर्धा अब गुणवत्ता सुधार से अधिक लाभ कमाने की मानसिकता तक सीमित होती दिख रही है। भारी फीस, महंगी कोचिंग और शिक्षा के नाम पर बढ़ते आर्थिक बोझ ने मध्यम और गरीब वर्ग के परिवारों के सामने गंभीर संकट खड़ा कर दिया है। शिक्षा, जो समान अवसर का माध्यम होनी चाहिए थी, धीरे-धीरे आर्थिक सामर्थ्य पर निर्भर होती जा रही है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि बाजारीकरण की इस दौड़ में शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। कई संस्थानों में शिक्षकों की नियुक्ति योग्यता के बजाय कम लागत और प्रबंधन हितों के आधार पर की जा रही है। शोध, नैतिक शिक्षा, तार्किक सोच और व्यक्तित्व विकास जैसे महत्वपूर्ण पहलू पीछे छूटते जा रहे हैं। विद्यार्थियों को केवल परीक्षा और नौकरी तक सीमित कर दिया गया है। परिणामस्वरूप, डिग्रीधारी युवाओं की संख्या तो बढ़ रही है, लेकिन कौशल, नवाचार और व्यावहारिक ज्ञान का अभाव भी उतनी ही तेजी से सामने आ रहा है। यही कारण है कि बड़ी संख्या में युवा शिक्षित होने के बावजूद रोजगार की चुनौती से जूझ रहे हैं।कोचिंग संस्कृति ने भी इस संकट को और गहरा किया है। स्कूलों और कॉलेजों में गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई के अभाव में विद्यार्थी महंगी कोचिंग संस्थाओं पर निर्भर हो गए हैं। शिक्षा अब प्रतिस्पर्धा और अंकों की मशीन बनती जा रही है, जहां रचनात्मकता और सामाजिक चेतना के लिए बहुत कम स्थान बचा है।यह स्थिति केवल सरकार या निजी संस्थानों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि समाज को भी इस पर गंभीर चिंतन करना होगा। सरकार को शिक्षा के व्यवसायीकरण पर प्रभावी नियंत्रण, सरकारी संस्थानों की गुणवत्ता सुधार और समान शिक्षा अवसर सुनिश्चित करने की दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे। साथ ही, शिक्षकों की गुणवत्ता, शोध और नैतिक शिक्षा पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है।

# 1947 में RSS आज जितना मजबूत होता तो देश का विभाजन नहीं होता: सुनील आंबेकर

**देश की युवा पीढ़ी को लेकर आंबेकर ने कहा कि आज के युवा, जिन्हें अक्सर 'जेन-ज़ी' कहा जाता है, भारत के भविष्य को लेकर बेहद आशावान हैं। उन्हें अपने देश पर पूरा भरोसा है और वे संविधान के दायरे में रहकर देश के विकास में योगदान दे रहे हैं।**

**टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय**

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ यानी कि RSS के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा है कि देश का विभाजन भारत के इतिहास की सबसे दर्दनाक घटनाओं में से एक था। उनका मानना है कि यदि उस समय संघ आज की तरह मजबूत होता, तो देश का बंटवारा नहीं होता। नागपुर में आयोजित एक संगोष्ठी में आंबेकर ने कहा कि वर्ष 1947 में संघ उतना मजबूत नहीं था, जितना वह होना चाहता था। इसके बावजूद संघ ने विभाजन के दौरान हिंदुओं की सुरक्षा और उनके पुनर्वास के लिए पूरी ताकत से काम किया था।आंबेकर ने कहा कि राजनीतिक लाभ के लिए अक्सर संघ के बारे में गलत जानकारियां फैलाई जाती हैं, लेकिन वास्तविकता यह है कि संघ किसी से नफरत या दुश्मनी नहीं रखता। संघ समाज के सभी वर्गों को अपना मानता है और सभी के साथ संवाद तथा चर्चा में विश्वास रखता है। इसी कारण संघ हमेशा बातचीत के लिए तैयार रहता है। संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबले द्वारा पाकिस्तान के साथ संवाद जारी रखने संबंधी बयान पर पूछे गए सवाल के जवाब में आंबेकर ने कहा कि RSS के दृष्टिकोण को गहराई से समझने की जरूरत है। आंबेकर ने कहा कि संघ हमेशा मानता रहा है कि लोगों के बीच बातचीत और संवाद से जमीनी स्तर पर समस्याओं का समाधान निकलता है, और दत्तात्रेय होसबले ने भी इसी भावना को व्यक्त किया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार-से-सरकार के स्तर पर बातचीत करना पूरी तरह राजनीतिक और कूटनीतिक निर्णय होता है, जिसे सरकार अपने आकलन और परिस्थितियों के अनुसार तय करती है। RSS इस विषय पर सरकार को तत्काल कोई सलाह नहीं देता। उन्होंने कहा कि बातचीत से रिश्तों में निरंतरता बनी रहती है और समय के साथ कई समस्याओं के समाधान का रास्ता निकल सकता है। आजकल कुछ समूहों द्वारा लगाए जा रहे 'जय भीम, लाल सलाम' जैसे नारों पर प्रतिक्रिया देते हुए आंबेकर ने कहा कि जब तक दुनिया में गौतम बुद्ध द्वारा दिखाया गया शांति का मार्ग मौजूद है, तब तक कार्ल मार्क्स या अन्य विचारधाराओं के रास्ते पर चलने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि डॉ. भीमराव आंबेडकर ने भी इसी प्रकार के विचार व्यक्त किए थे और उनके मूल विचारों को ध्यान में रखा जाना चाहिए। आंबेकर ने कहा कि दुनिया में चल रहे विभिन्न संघर्षों के कारण भारत भी कुछ क्षेत्रों में चुनौतियों और संकटों का सामना कर रहा है। ऐसे समय में सभी से सहयोग की अपेक्षा होती है। उन्होंने कहा कि देश को दूसरे देशों पर निर्भरता कम करने और आत्मनिर्भरता बढ़ाने की दिशा में प्रयास करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि संवेदनशील और संकट की परिस्थितियों में राजनीतिक लाभ-हानि की सोच नहीं लानी चाहिए, बल्कि राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता देनी चाहिए।देश में विभिन्न मुद्दों पर युवाओं की भागीदारी और नाराजगी के प्रदर्शन से जुड़े सवालों पर आंबेकर ने कहा कि भारत एक जागरूक और लोकतांत्रिक समाज है। यहां पारदर्शी चुनाव, स्वतंत्र मीडिया, सोशल मीडिया और खुली चर्चा की परंपरा मौजूद है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में अलग-अलग विचारों का सामने आना और लोगों द्वारा अपनी राय व्यक्त करना कोई असामान्य बात नहीं है। इसे लोकतांत्रिक प्रक्रिया का सामान्य हिस्सा माना जाना चाहिए।

# भड़के असदुद्दीन ओवैसी, 'चाहे कुछ भी हो जाए, मुसलमान नमाज नहीं छोड़ेंगे'

**टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय**

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने आरोप लगाया कि त्योहारों और नमाज से संबंधित मुद्दों को जानबूझकर मुसलमानों को निशाना बनाने के लिए उठाया जाता है। ओवैसी ने कहा कि मुसलमान समुदाय के लोग नमाज नहीं छोड़ेगा। ईद मिलाप के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ओवैसी ने कहा कि जब भी बकरीद या रमजान जैसे त्योहार नजदीक आते हैं, वे समस्याएं पैदा करना शुरू कर देते हैं।हैदराबाद के सांसद ने कहा कि अजान में समस्या, नमाज में समस्या, आखिर तुम लोगों को क्या हो गया है? उन्होंने पूछा और याद दिलाया कि इस्लामी विद्वानों ने मस्जिदों से अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी और संघर्ष के लिए फतवे जारी किए। ओवेसी ने कहा कि अल्लामा फजल-ए-हक खैराबादी और अल्लामा कैफी जैसे सैकड़ों-हजारों विद्वानों ने अपनी जान कुर्बानि कर दी। आज तुम हमें उपदेश दे रहे हो, अजान और नमाज को मुद्दा बना रहे हो। ओवैसी ने धार्मिक जुलूसों से तुलना करते हुए कहा कि उत्तराखंड से दिल्ली तक की यात्राओं के दौरान सड़कें अवरुद्ध हो जाती हैं और टेंट लगाए जाते हैं, लेकिन आपको इससे कोई समस्या नहीं होती। सड़कों पर नमाज अदा करने के बारे में उन्होंने कहा कि ऐसा केवल शुक्रवार की नमाज या ईद के दौरान होता है, रोजाना नहीं। उन्होंने कहा कि भारत में हर धर्म के त्योहार सड़कों पर ही मनाए जाते हैं। आप उन्हें देखते नहीं, आप उन्हें अनदेखा कर देते हैं। उन्होंने आगे कहा कि चाहे कुछ भी हो जाए, मुसलमान नमाज नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने बताया कि उनकी मुलाकात कुछ किशोरों से हुई जिन्होंने टेलीविजन पर खबरें देखने के बाद मस्जिदों में नियमित रूप से नमाज पढ़ने का फैसला किया है। दोहरे मापदंड का आरोप लगाते हुए ओवैसी ने कहा कि लोगों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषणों से कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन वे अजान और नमाज पर आपत्ति जताते हैं। उन्होंने हिंदू त्योहारों के दौरान अंडे, मांस और चिकन की बिक्री पर लगाए गए प्रतिबंधों पर भी सवाल उठाते हुए पूछा, यह किस तरह का कानून है?

# राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर देश की शिक्षा व्यवस्था को पूरी तरह बर्बाद करने का आरोप लगाया

**टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय**

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर देश की शिक्षा व्यवस्था को पूरी तरह बर्बाद करने का आरोप लगाया है। उन्होंने शनिवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि विश्वगुरू बनने के बड़े-बड़े दावे करने वाली सरकार एक भी परीक्षा को ठीक से आयोजित कराने में सक्षम नहीं है। राहुल गांधी की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने बताया कि शनिवार को देश भर के स्नातक डिग्री कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित सीयूईटी-यूजी 2026 परीक्षा कुछ केंद्रों पर तकनीकी खराबी के कारण देरी से शुरू हुई। राहुल गांधी की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने बताया कि शनिवार को देश भर के स्नातक डिग्री कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित सीयूईटी-यूजी 2026 परीक्षा कुछ केंद्रों पर तकनीकी खराबी के कारण देरी से शुरू हुई। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र पर निशाना साधा। राहुल गांधी ने कहा कि पीएम मोदी ने पूरी शिक्षा व्यवस्था को तबाह कर दिया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता आगे कहा, "जिस पीढ़ी का भविष्य आप बर्बाद कर रहे हैं, वही पीढ़ी आपका हिसाब करेगी।" कांग्रेस नेता ने शुक्रवार को यह भी कहा था कि सीबीएसई की परीक्षा में हुई गड़बड़ी पर प्रधानमंत्री का मौन और शिक्षा मंत्री के खिलाफ कोई कार्रवाई न होना, यह दर्शाता है कि उन्हें केवल अपनी सरकार बचाने की चिंता है, न कि लाखों छात्रों के भविष्य की। राहुल गांधी ने इससे पहले उन छात्रों के साथ अपनी एक बातचीत का वीडियो भी साझा किया था, जिन्होंने नीट परीक्षा दी थी और पेपर लीक की घटनाओं के मद्देनजर परीक्षा प्रणाली को लेकर अपनी चिंताएं व्यक्त की थीं। उन्होंने कहा था कि नीट छात्रों से मुलाकात में एक बात बिल्कुल साफ हो गई - भारत का युवा नरेंद्र मोदी पर भरोसा नहीं करता। लोकसभा में नेता विपक्ष ने कहा, "उन्होंने मुझे बताया - पेपर वॉट्सएप और टेलीग्राम पर खुलेआम बिक रहे हैं। किस कीमत पर बिक रहे हैं, कौन खरीद रहा है, माफिया कैसे काम कर रहे हैं - यह सब इन बच्चों को पता है। उनका एक ही सवाल था - जो हमें पता है, वो सरकार और संस्थाओं को क्यों नहीं? सच यह है ये बच्चे सरकार से बेहतर जानते हैं कि इस सड़ी हुई व्यवस्था को कैसे ठीक किया जा सकता है।"

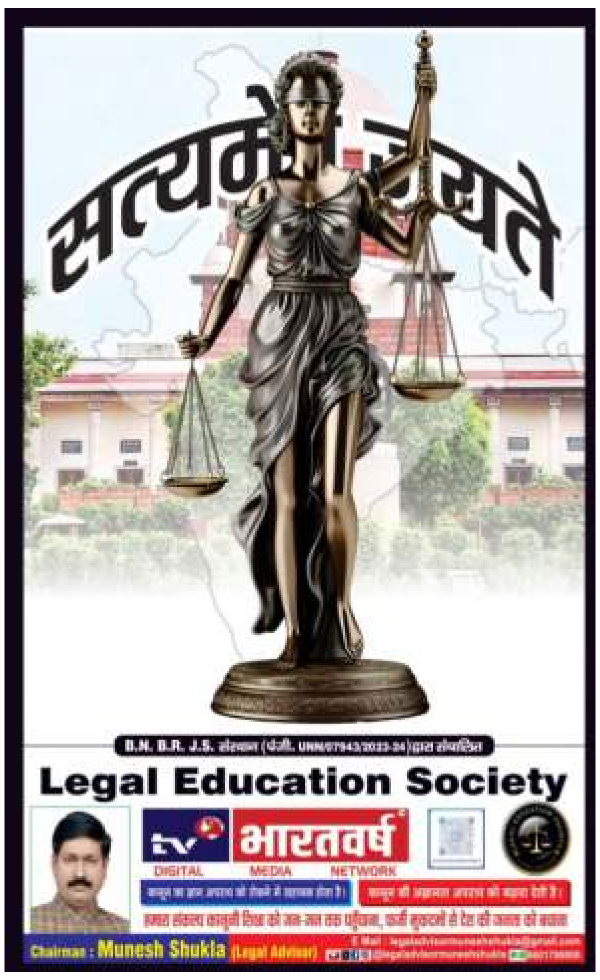

# हिंदी पत्रकारिता के 200 साल: 'उदंत मार्तंड' से शुरू हुआ था खबरों का सफर

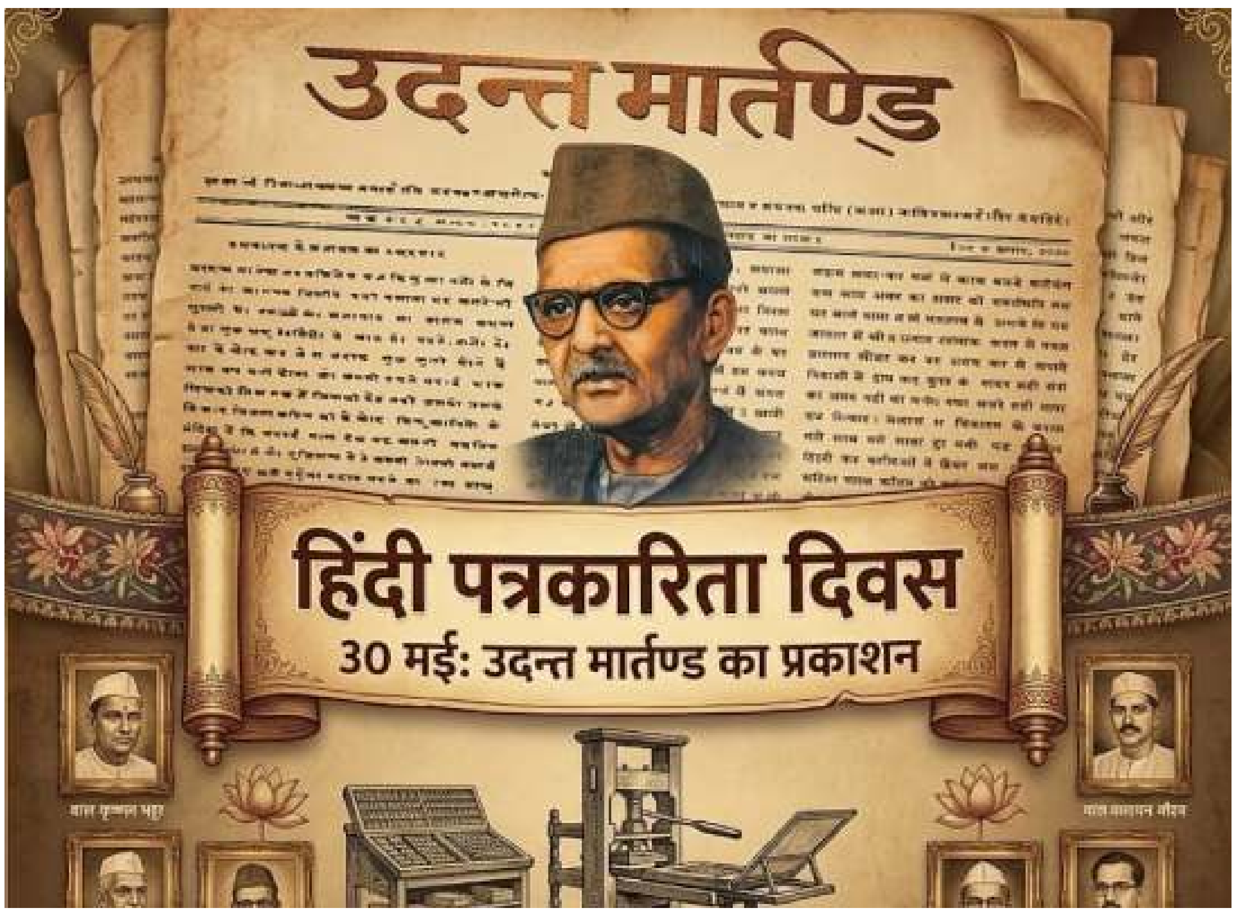


हिंदी भाषा की पत्रकारिता आज एक भरे-पूरे बरगद का रूप ले चुकी है लेकिन इस विशाल पेड़ की शुरुआत छोटे से बीज से हुई थी, जिसका नाम था- उदंत मार्तंड. यह भारत की धरती पर प्रकाशित होने वाला हिंदी भाषा का पहला समाचार पत्र था. आज 30 मई के दिन हर साल हिंदी पत्रकारिता दिवस मनाया जाता है. हालांकि इस साल 2026 में खास बात यह है कि साप्ताहिक पत्र के रूप में शुरू हुआ यह सफर 200 साल पूरे कर चुका है. कलकत्ता में 1826 को इसकी शुरुआत पंडित जुगल किशोर शुक्ल ने की थी. ब्रिटिश शासन काल में उनका यह कदम अपने आप में साहसी और क्रांतिकारी था.दुनिया में पत्रकारिता की शुरुआत पर इतिहासकारों में मतभेद है. यूरोपीय देशों ने ऐसा करना शुरू किया था. हालांकि कोई इटली तो कोई जर्मनी को श्रेय देता है. लेकिन दुनिया का सबसे पहला प्रिंटेड अखबार का नाम रिलेशन था. 1605 में तत्कालीन रोमन साम्राज्य और अब के फ्रांस देश का हिस्सा बने स्त्रासबुर्ग शहर में जोहान कारोलस नामक व्यापारी ने शुरू किया था. वहीं भारत देश की बात करें तो यूरोपीय देशों के औपनिवेशिक शासनकाल के दौरान जेम्स ऑगस्टन हिक्की नामक आयरिश व्यापारी ने कलकत्ता से बंगाल गजट को अंग्रेजी भाषा में प्रकाशित कराया था. यह बात 1780 की है. इसके 46 साल बाद उसी कलकत्ता शहर में कानपुर से जाकर बसे पंडित जुगल किशोर शुक्ल ने हिंदी भाषा में पहला समाचार पत्र छाप दिया. उस दौरान अंग्रेजी, बांग्ला और फारसी भाषा में कई अखबार निकल रहे थे लेकिन हिंदी भाषा में ऐसा कुछ भी काम नहीं हो रहा था. ऐसे में वकालत करने वाले जुगल किशोर ने सन् 1826 में कलकता के कोलू टोला मोहल्ले की 37 नंबर आमड़तल्ला गली से उदंत मार्तंड निकाला. इसने हिंदी भाषियों को एक सूत्र में पिरोने के साथ ही समाचार पढ़ने की एक नई नींव रखी. 'उदंत' का मतलब होता है- समाचार या वार्ता. वहीं 'मार्तंड' का मतलब होता है- सूर्य. ऐसे में उदंत मार्तंड का मतलब उगता हुआ सूरज या फिर खबरों उगता हुआ सूरज हो सकता है. यह एक किताब की शक्ल में हर सप्ताह को छपता था. 30 मई 1826 को शुरू हुआ यह अखबार 4 दिसंबर 1827 को छपना बंद हो गया. आर्थिक दिक्कतों की वजह से यह समाचार पत्र बंद हो गया. दरअसल, यह अखबार अंग्रेजी हुकूमत में बेबाकी के साथ काम करता था. उदंत मार्तंड ने सरकार का माउथपीस बनकर काम करने से इनकार कर दिया. इस वजह से डाक सहित अन्य सुविधाएं ब्रिटिश सकार की तरफ से नहीं मिलती थी, जो अंग्रेजी भाषा और मिशनरियों के बाकी पत्र को मिला करती थी.

## कागजों की सुविधा के लिए बनाया गया था एयर कंडीशनिंग सिस्टम

गर्मी के लगातार बढ़ते रहने के बीच इंसानों में ठंडक बनाए रखने का कम्फर्ट लेवल भी बढ़ता जा रहा है. पंखे और कूलर से होते हुए अब मामला एयर कंडीशनर तक आ पहुंचा है. तापमान की मार ऐसी है कि जो खरीदने की क्षमता में है वो घर में एसी फौरन ही इंस्टॉल करवा ले रहा है. लेकिन क्या आपको पता है कि जो एसी आज बेसिक जरूरत बनती जा रही है, उसका आविष्कार इंसानी शरीर के लिए हुआ ही नहीं था. इसको इंसान नहीं, बल्कि कागजों की सुविधा के लिए बनाया गया था. सुनने में भले ही अटपटा लग रहा हो लेकिन यह सच है. आइए समझते हैं कि ये पूरा मामला क्या है. आधुनिक एसी का इजाद एक इंडस्ट्रियल समस्या को सुलझाने के दौरान हुआ था. यह अमेरिका की बात है जब साल 1902 में गर्मियों के सीजन में न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन इलाके की एक प्रिंटिंग प्रेस में हवा की नमी अधिक होने की वजह से कागज सिकुड़ रहे थे. इससे उन पर रंगीन छपाई करना मुश्किल होता जा रहा था. इसके बाद कुछ ऐसा हुआ, जिसने आधुनिक जीवन को हमेशा के लिए बदलकर रख दिया. अमेरिका के एनर्जी डिपार्टमेंट के अनुसार विलिस कैरियर (Willis Carrier) नामक इंजिनियर ने वायुमंडल में अधिक हो चुके नमी को कंट्रोल करने के लिए दुनिया के पहले एयर कंडीशनिंग सिस्टम का आविष्कार किया था. पब्लिशिंग कंपनी के सामने आ रही समस्या बेहद साधारण लेकिन गंभीर थी. नमी वाले माहौल में कागज फैल जाता था और सूखा होने पर सिकुड़ जाता था. इस वजह से छपाई के दौरान रंगीन स्याही अपनी सही जगह पर नहीं बैठ पाती थी और अलाइनमेंट बिगड़ जाता था. इसके लिए विलिस की मशीन ने हवा से अतिरिक्त नमी को हटाकर इस समस्या का समाधान कर दिया. हालांकि इस आविष्कार को अपनी असली क्षमता दिखाने में ज्यादा समय नहीं लगा.

## फिर से हिट विकेट हुए सुदर्शन

## सूर्या नहीं तो फिर कौन संभालेगा कप्तानी?

बीसीसीआई (BCCI) ने इस साल जापान के ऐची-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों (Asian Games) के लिए 30 संभावित खिलाड़ियों की लॉन्ग लिस्ट तैयार कर ली है। लेकिन इस लिस्ट में सबसे बड़ा झटका टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को लगा है, जिन्हें इस टीम से पूरी तरह बाहर कर दिया गया है। वहीं दूसरी तरफ, सिर्फ 15 साल के युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी को शामिल कर सेलेक्टर्स ने सबको हैरान कर दिया है। सूर्यकुमार यादव का एशियाई खेलों में न खेलना अब पूरी तरह तय हो चुका है, क्योंकि बीसीसीआई ने जो 30 सदस्यीय लिस्ट आयोजकों को भेजी है, अंतिम 15 सदस्यों की टीम इसी लिस्ट में से चुनी जाएगी। इस लिस्ट से बाहर के किसी भी खिलाड़ी को मौका नहीं मिल सकता। हालांकि, इस लिस्ट में टी20 विश्व कप जीतने वाली टीम के 13 मुख्य खिलाड़ी शामिल हैं, जिनमें जसप्रीत बुमराह, हार्दिक पंड्या, संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा, रिंकू सिंह और ईशान किशन जैसे बड़े नाम हैं। ऐसे में भारतीय टीम अपने स्वर्ण पदक की रक्षा के लिए एक नए कप्तान की अगुवाई में मैदान पर उतरेगी। टीम में श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत और यशस्वी जायसवाल भी शामिल हैं। आईपीएल में अपने बल्ले से कोहराम मचाने वाले 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को लेकर चर्चाएं तेज हैं। बीसीसीआई ने उन्हें संभावितों में जगह देकर साफ संकेत दे दिए हैं कि वह बहुत जल्द सीनियर भारतीय जर्सी में नजर आ सकते हैं। एशियन गेम्स से पहले भारत को आयरलैंड, इंग्लैंड, जिम्बाब्वे और श्रीलंका का दौरा करना है, मुमकिन है कि वैभव को एशियाड से पहले ही डेब्यू का मौका मिल जाए। एक फैसला यह है कि मुख्य कोच गौतम गंभीर इस टूर्नामेंट में टीम के साथ जापान नहीं जाएंगे। दरअसल, 24 सितंबर से 3 अक्टूबर तक होने वाले एशियन गेम्स के दौरान ही भारतीय टीम को घरेलू मैदान पर वेस्टइंडीज के खिलाफ 3 वनडे मैचों की सीरीज खेलनी है।

## दिग्गजों पर भारी बॉस बेबी
## ज्यादा रन, ज्यादा असर

आईपीएल युवाओं को दुनिया के सामने अपनी प्रतिभा दिखाने का एक बेहतरीन मंच प्रदान करता है। इसके 19 सीजन के इतिहास में कई ऐसे खिलाड़ी उभरकर सामने आए, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गहरी छाप छोड़ी। हार्दिक पांड्या, रविचंद्रन अश्विन, शॉन मार्श, जसप्रीत बुमराह, जैसे कई उदाहरण मौजूद हैं। हालांकि, आईपीएल 2026 ने भारतीय क्रिकेट को एक नया हीरा दिया है। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने इस सीजन अपनी धांसू बल्लेबाजी से ऐसे कीर्तिमान बनाए हैं, जो शायद ही कोई कभी भूल पाएगा। इस बाएं हाथ के बल्लेबाज को आने वाले समय का सुपरस्टार माना जा रहा है। वैभव ने बड़े से बड़े गेंदबाज को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। 2025 में अपनी अपार प्रतिभा की झलक दिखाने के बाद सूर्यवंशी ने 2026 में अपने खेल को ऐसे स्तर पर पहुंचा दिया, जैसा न केवल आईपीएल में बल्कि किसी किशोर खिलाड़ी से पहले कभी देखने को नहीं मिला था। महज 15 साल की उम्र में वह सिर्फ रिकॉर्ड नहीं तोड़ रहे हैं, बल्कि इस प्रारूप के लंबे समय से स्थापित मानकों को नए सिरे से परिभाषित कर रहे हैं।इस सीजन वैभव ने 237.30 के स्ट्राइक रेट से 776 रन बनाए और फिलहाल ऑरेंज कैप लीडरबोर्ड में सबसे ऊपर चल रहे हैं। पिछली चार पारियों में से तीन में तो वह नर्वस-90 का शिकार हुए। वैभव ने सिर्फ 327 गेंदों का सामना करते हुए 135 बार गेंद को बाउंड्री तक पहुंचाया। इनमें 72 छक्के भी शामिल हैं।

## 53 किलोग्राम वर्ग में प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति

पूर्व विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता विनेश फोगाट को शनिवार को एशियाई खेलों के ट्रायल (चयन परीक्षण) में महिलाओं के 53 किलोग्राम वर्ग में प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति दी गई, क्योंकि भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने उनकी भागीदारी को 50 किलोग्राम वर्ग तक सीमित रखने के अपने पूर्व रुख को पलट दिया। शनिवार सुबह आधिकारिक वजन-माप के दौरान घटनाक्रम में नाटकीय मोड़ आया जब विनेश को सूचित किया गया कि उन्हें केवल 50 किलोग्राम वर्ग में प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति दी जाएगी, क्योंकि उन्होंने पेरिस ओलंपिक सहित अपनी पिछली चार अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में इसी भार वर्ग में भाग लिया था। विनेश ने इस निर्णय पर कड़ा विरोध जताया और आरोप लगाया कि उन्हें अपनी पसंद के भार वर्ग में उतरने से रोककर महासंघ उनके साथ भेदभाव कर रहा है। मौके पर मौजूद सूत्रों के अनुसार विवाद बढ़ने के बाद डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह ने हस्तक्षेप किया और विनेश को 53 किलोग्राम वर्ग के ट्रायल में भी भाग लेने की अनुमति देने का फैसला किया। डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह ने पीटीआई से कहा, " विनेश के आरोप लगाने के बाद हमने अधिकारियों को उनका वजन मापने की अनुमति दी।" उन्होंने कहा, "हम किसी के साथ भेदभाव नहीं करना चाहते। उन्होंने यह नहीं बताया था कि वह किस श्रेणी में प्रतिस्पर्धा करना चाहती हैं, फिर भी हम उन्हें अनुमति दे रहे हैं।" इसके बाद विनेश का वजन 53.9 किलोग्राम दर्ज किया गया और उन्हें 53 किलोग्राम वर्ग के ड्रॉ में शामिल कर लिया गया। अब इस वर्ग में मुकाबला बेहद रोचक होने की संभावना है, क्योंकि विनेश का सामना अनुभवी पहलवान अंतिम पंघाल और उभरती हुई प्रतिभा मीनाक्षी गोयत से हो सकता है। ट्रायल की तैयारी के दौरान मीडिया से संक्षिप्त बातचीत में विनेश ने कहा कि वह अभी कम से कम दो वर्षों तक प्रतिस्पर्धी कुश्ती जारी रखने के इरादे से मैदान में उतरी हैं। उन्होंने कहा, "मैं यहां कम से कम दो साल के लिए हूं।" यह फैसला डब्ल्यूएफआई के लिए अपने पूर्व रुख से पीछे हटने जैसा माना जा रहा है।

एसी सर्विस से मना करने वाले शख्स ने जीता दिल

# 300 रुपये के लिए जान क्यों दांव पर लगाऊं?

सोशल मीडिया पर एक एसी टेक्नीशियन का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह एक खतरनाक जगह पर लगे एसी की सर्विस करने से साफ मना कर देता है. यह मामला खारघर की एक ऊंची बिल्डिंग का बताया जा रहा है, जहां 23वीं मंजिल पर एसी का आउटडोर यूनिट बालकनी से काफी दूर बाहर की तरफ लगाया गया है. वीडियो में टेक्नीशियन लोगों को समझाता है कि वह इस काम को क्यों नहीं कर सकता. वह दिखाता है कि एसी यूनिट इतनी खतरनाक जगह पर लगी है कि वहां तक पहुंचना आसान नहीं है. अगर कोई व्यक्ति वहां सर्विस करने जाता है, तो गिरने का खतरा बहुत ज्यादा है. टेक्नीशियन कहता है कि सिर्फ 300-400 रुपये के लिए कोई अपनी जान खतरे में क्यों डालेगा. वह आगे कहता है कि अगर काम करते समय कोई हादसा हो जाता है, तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? उसके मुताबिक, इस तरह के काम में कोई भी सुरक्षा इंतजाम नहीं किए गए हैं, जैसे कि सेफ्टी बेल्ट, मजबूत प्लेटफॉर्म या अन्य जरूरी उपकरण. ऐसे में वहां काम करना बहुत ही खतरनाक है.

मेकिंग का वीडियो देख उड़ जाएंगे होश

# आखिर कैसे बनती है 1 रुपये वाली चुस्की?

जैसे ही गर्मी ने अपना रंग दिखाना शुरू किया, सोशल मीडिया पर भी उसी के हिसाब से वीडियो शेयर होने लगे हैं. कहीं मिट्टी पर पापड़ सेंकने वाली महिला के वीडियो आ रहे हैं तो कहीं कोल्ड ड्रिंक से जुड़े वीडियो शेयर हो रहे हैं. इसी बीच, सोशल प्लेटफॉर्म पर 1 रुपये वाली चुस्की के वीडियो भी शेयर हो रहे हैं, जिनमें दिखाया जा रहा है कि आखिर इसे कैसे बनाया जाता है. इन वीडियो पर कई लोग कमेंट कर रहे हैं कि इन वीडियो ने बचपन की याद दिला दी जबकि कुछ लोग इस चुस्की को बनाए जाने के तरीके पर बात कर रहे हैं. वीडियो में दिख रहा है कि इन्हें बहुत ही गंदे तरीके से बनाया जा रहा है. तो आज इन वीडियो के जरिए देखते हैं कि आखिर 1 रुपये वाली चुस्की कैसे बनती है. वायरल हो रहे वीडियो में दिखाया जा रहा है कि इन चुस्की में सिर्फ केमिकल कलर मिलाए जा रहे हैं. पहले पानी में कलर घोला जाता है और फिर कलर डालकर इसे तैयार किया जा रहा है. एक मिल्क चुस्की वाले वीडियो में दिख रहा है कि पहले दूध को गर्म किया जा रहा है और फिर एक खास तरह के कलर से एक घोल तैयार किया जा रहा है. इसके बाद पानी से साथ उसमें वो कलर मिलाया जा रहा है और उन्हें पैक कर दिया जा रहा है. वहीं, एक वीडियो में दिख रहा है कि पानी में चीनी डालकर गर्म किया जा रहा है और फिर उसमें कलर मिलाकर अलग बाल्टियों में भरा जा रहा है. इसके बाद उन्हें छोटी प्लास्टिक की थैलियों में भरा जा रहा है और मशीन के जरिए पैक किया जा रहा है.

सोशल मीडिया पर चुस्की पैकेट्स के वीडियो वायरल हो रहे हैं.

नई किताब के दावों ने फ्रांस के राष्ट्रपति महल में मचाया हड़कंप

# मैक्रों को थप्पड़ के पीछे 'एक्ट्रेस' का हाथ?

**फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को उनकी पत्नी ने पिछले साल थप्पड़ जड़ा था. उस घटना का वीडियो काफी वायरल हुआ था. अब उसी मामले से जुड़ा एक और पहलू सुर्खियों में है और सोशल मीडिया पर उसकी काफी चर्चा हो रही है.**

फ्रांस के राष्ट्रपति को थप्पड़ लगाने वाला मामला फिर चर्चा में है. (Photo-Instagram)

पिछले साल एक विदेश यात्रा के दौरान फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को उनकी पत्नी ने थप्पड़ मारा था. इस घटना का वीडियो खूब वायरल हुआ था. काफी दिनों तक सोशल मीडिया पर इसकी चर्चा होती रही थी. एक बार फिर से यह घटना सुर्खियों में है. इस बार इस घटना की चर्चा, इसके संभावित वजह के कारण हो रही है. एक पत्रकार ने दावा किया है कि इमैनुएल मैक्रों को उनकी पत्नी ब्रिगेट मैक्रों ने एक ईरानी एक्ट्रेस की वजह से थप्पड़ जड़ा था. सोशल मीडिया पर ऐसे कई पोस्ट भी वायरल हो रहे हैं, जिनमें मैक्रों को थप्पड़ जड़ने की वजह पर चर्चा हो रही है. वहीं न्यूयॉर्क पोस्ट के रिपोर्ट के हवाले से भी बताया गया है कि एक नई किताब में किए गए सनसनीखेज दावों के अनुसार, पिछले साल विदेश यात्रा के दौरान फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को उनकी पत्नी ने थप्पड़ मारा था, क्योंकि उन्हें उनके फोन पर एक युवा अभिनेत्री का आपत्तिजनक संदेश मिला था. पत्रकार फ्लोरियन टार्डिफ ने आरटीएल फ्रांस के साथ एक इंटरव्यू में दावा किया है कि ब्रिगेट मैक्रोन ने अपने पति को थप्पड़ जड़ने का जो वीडियो वायरल हुआ था, उस घटना के पीछे की वजह ईरानी मूल की गोल्शिफ्तेह फराहानी नाम की 42 साल की एक्ट्रेस को उनके पति की तरफ से भेजा गया मैसेज है.

## अचानक जंगल में क्यों नाचने लगे हिरण?

इंटरनेट पर अक्सर ऐसी वीडियो सामने आते हैं, जो खबरों की सुर्खियां बन जाते हैं. इन दिनों सोशल मीडिया पर हर जगह एक वीडियो छाया हुआ है, जिसमें एक हिरण अजीब हरकत करता दिख रहा है. वह एक ही जगह पर गोल-गोल घूमता और नाचता दिख रहा है. किसी ने हिरण की इस हरकत को कैद कर सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया. एबीसी न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, यह वीडियो फ्रांस के ग्रामीण इलाके का बताया जा रहा है.

# 71वें जन्मदिन पर जानिए: बिना टिकट थिएटर में घुसने वाले बच्चे से बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता बने परेश रावल

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता परेश रावल आज यानी की 30 मई को अपना 71वां जन्मदिन मना रहे हैं। अभिनेता ने अपनी बेहतरीन एक्टिंग के दम पर फिल्म इंडस्ट्री में खास मुकाम हासिल किया था। खलनायक का रोल हो या कॉमेडियन का अभिनेता हर भूमिका में फिट हो जाते हैं। तो आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर परेश रावल के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में मुंबई में एक गुजराती परिवार में 30 मई 1955 को परेश रावल का जन्म हुआ था। उनका बचपन मुंबई के पार्ले ईस्ट इलाके में बीता था। जहां पर पास में एक ओपन थिएटर ग्राउंड हुआ करता था। यहीं से परेश रावल के अंदर अभिनय के प्रति इंट्रेस्ट पैदा हुआ। वह बचपन में बेहद शरारती हुआ करते थे। लेकिन परेश रावल का सबसे बड़ा जुनून थिएटर था। वह सिर्फ 9 साल की उम्र में बिना टिकट के नाटक देखने के लिए थिएटर में घुस जाते थे। कई बार परेश रावल को पकड़कर बाहर निकाल दिया जाता था। जब परेश रावल बार-बार थिएटर में घुसने की कोशिश करते पकड़ जाते, तो थिएटर के लोगों ने उनके जुनून को समझा और प्ले देखने की अनुमति दी। धीरे-धीरे परेश रावल को छोटे-छोटे रोल भी मिलने लगे। यही परेश रावल के करियर का आधार बना। हालांकि शुरुआती दौर में उन्होंने बैंक ऑफ बड़ौदा में नौकरी करना शुरू किया। लेकिन उनका वहां मन नहीं लगता था। उन्होंने कुछ ही समय बाद नौकरी छोड़ दी और पूरी तरह से अभिनय की दुनिया में आ गए। उन्होंने साल 1984 में फिल्मी करियर की शुरुआत फिल्म 'होली' से की थी। फिर साल 1985 में 'अर्जुन' जैसी कई फिल्मों में कई छोटे-छोटे रोल मिले। लेकिन अभिनेता को असली पहचान साल 1986 में आई फिल्म 'नाम' से मिली। फिर 80 और 90 के दशक में उन्होंने लगातार काम किया और करीब 100 से अधिक फिल्मों में खलनायक का रोल किया। फिल्म मोहरा', 'क्रांतिवीर', 'राम लखन', और 'दामिनी' जैसी फिल्मों में परेश रावल के अभिनय की सराहना हुई। वहीं अभिनेता ने विलेन के अलावा कई गंभीर और कॉमिक रोल निभाए। वहीं साल 2000 में आई फिल्म 'हेरा फेरी' ने अभिनेता के करियर को नई ऊंचाई दी। इस फिल्म में परेश रावल का किरदार 'बाबूराव गणपत आप्टे' काफी लोकप्रिय हुआ और आज भी वह भारतीय कॉमेडी सिनेमा का यादगार चेहरा माना जाता है। इसके बाद परेश रावल फिल्म 'गरम मसाला', 'भूल भुलैया', 'हंगामा', 'वेलकम', 'गोलमाल' सीरीज और 'ओह माय गॉड' जैसी फिल्मों में बेहतरीन अभिनय किया। परेश रावल ने साबित किया कि वह हर रोल में फिट हो सकते हैं। अभिनेता को दो बार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया। एक बार फिल्म फेयर अवॉर्ड और साल 2014 में भारत सरकार द्वारा पद्मश्री से सम्मानित किया।

# पत्रकारिता पर टिप्पणी से बढ़ा विवाद

# अखिलेश और ब्रजेश पाठक में छिड़ी नई बहस

**ब्रजेश पाठक का सबसे ज्यादा चर्चित बयान वह रहा जिसमें उन्होंने कहा, "मैं संवाद की परंपरा आगे बढ़ा रहा हूं, उन्हें मिर्ची लगी तो मैं क्या करूं।" इस एक लाइन ने पूरे राजनीतिक माहौल को और गरमा दिया। भाजपा समर्थकों ने इसे सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल किया। वहीं सपा नेताओं ने इसे जनता के असली मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश बताया। राजनीतिक सूत्रों का मानना है कि यह बयान केवल जवाब नहीं, बल्कि राजनीतिक संदेश भी था। इससे यह संकेत देने की कोशिश की गई कि भाजपा विपक्ष के हर हमले का जवाब आक्रामक तरीके से देने के मूड में है।**

इस पूरे विवाद की शुरूआत तब हुई जब उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने एक अलग अंदाज में पत्रकार की भूमिका निभाते हुए अपने ही मंत्रिमंडल के मंत्री नरेंद्र कश्यप से बातचीत की। बातचीत के दौरान समाजवादी पार्टी के PDA फार्मूले और सपा की राजनीति पर सवाल उठाए गए। इसके बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पलटवार करते हुए ब्रजेश पाठक को "बेकार और नाकाम" तक कह दिया। अब यह मामला केवल बयान तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि इसे 2027 विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक जमीन तैयार करने की रणनीति के तौर पर भी देखा जा रहा है। ब्रजेश पाठक के सवालों का जवाब देते हुए पिछड़ा वर्ग कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने सपा के PDA फार्मूले को "राजनीतिक शिगूफा" बताया। उन्होंने कहा कि यह सामाजिक न्याय का फार्मूला नहीं, बल्कि एक राजनीतिक परिवार की सत्ता बचाने की रणनीति है। कश्यप ने आरोप लगाया कि पिछड़े वर्ग के नाम पर राजनीति करने वाली समाजवादी पार्टी वास्तव में केवल एक जाति विशेष के हितों को आगे बढ़ाती रही है। यह बयान सीधे तौर पर अखिलेश यादव की राजनीति पर हमला माना गया। नरेंद्र कश्यप और ब्रजेश पाठक के बयान के बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने तीखा पलटवार किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि "जो स्वास्थ्य मंत्री के रूप में साबित हो गए बेकार, अब वो बन गए पत्रकार।" अखिलेश ने आगे लिखा कि प्रदेश की जनता गर्मी, बीमारी और बिजली संकट से परेशान है, जबकि भाजपा सरकार के मंत्री "इंटरव्यू-इंटरव्यू" खेल रहे हैं। उन्होंने ब्रजेश पाठक को सरकार और संगठन दोनों में "नाकाम" बताते हुए तंज कसा कि अब समय बिताने के लिए पत्रकारिता कर रहे हैं। अखिलेश के इस बयान ने राजनीतिक माहौल को और गर्म कर दिया। भाजपा और सपा समर्थकों के बीच सोशल मीडिया पर तीखी बहस शुरू हो गई। अखिलेश यादव के बयान पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने भी तुरंत जवाब दिया। उन्होंने कहा कि सपा प्रमुख ने उन्हें "खलिहर" और "पत्रकार" कहकर पत्रकारिता का अपमान किया है। पाठक ने कहा कि संवाद करना लोकतंत्र की परंपरा है और पत्रकारिता समाज का महत्वपूर्ण स्तंभ है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय, अटल बिहारी वाजपेयी और डॉ. राममनोहर लोहिया जैसे बड़े नेता भी लेखन और पत्रकारिता से जुड़े रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि एक राजनेता जनता से संवाद करता है तो उसमें गलत क्या है। इस बयान के जरिए पाठक ने खुद को संवादप्रिय नेता के रूप में प्रस्तुत करने की कोशिश की। ब्रजेश पाठक का सबसे ज्यादा चर्चित बयान वह रहा जिसमें उन्होंने कहा, "मैं संवाद की परंपरा आगे बढ़ा रहा हूं, उन्हें मिर्ची लगी तो मैं क्या करूं।" इस एक लाइन ने पूरे राजनीतिक माहौल को और गरमा दिया। भाजपा समर्थकों ने इसे सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल किया। वहीं सपा नेताओं ने इसे जनता के असली मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश बताया। राजनीतिक सूत्रों का मानना है कि यह बयान केवल जवाब नहीं, बल्कि राजनीतिक संदेश भी था। इससे यह संकेत देने की कोशिश की गई कि भाजपा विपक्ष के हर हमले का जवाब आक्रामक तरीके से देने के मूड में है।

## फैजुल्लागंज में बिजली संकट पर लोगों ने किया प्रदर्शन

**टीवी भारतवर्ष लखनऊ**

राजधानी लखनऊ में फैजुल्लागंज इलाके में लगातार गहराते बिजली संकट को लेकर शनिवार को लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। सैकड़ों की संख्या में स्थानीय लोगों ने गौरभीठ रोड पर प्रदर्शन कर विधायक और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने "बिजली-पानी दे न सके जो सरकार निकम्मी है" और "जो सरकार निकम्मी है, वह सरकार बदलनी है" जैसे नारे लगाए। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पिछले एक सप्ताह से इलाके में बिजली आपूर्ति पूरी तरह चरमराई हुई है। हालत यह है कि लोगों को पानी भरने तक के लिए पर्याप्त बिजली नहीं मिल पा रही है। कई परिवारों को शौच आदि के लिए बोतलबंद पानी खरीदने को मजबूर होना पड़ रहा है। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहीं सामाजिक कार्यकर्ता ममता त्रिपाठी ने कहा कि भीषण गर्मी में हजारों लोग बिजली संकट से त्रस्त हैं, लेकिन क्षेत्रीय विधायक केवल पत्राचार कर औपचारिकता निभा रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो नागरिक ऊर्जा मंत्री का पुतला फूंककर विरोध दर्ज कराएंगे। प्रदर्शन में गुड़िया सिंह, तारा श्रीवास्तव, प्रियंका बाजपेई, सोनी सिंह, अभिषेक मिश्र, अनूप सिंह, कमल, महेंद्र, सतीश शर्मा, राखी समेत बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

## उपभोक्ताओं के साथ न्याय हुआ ,अपनी मर्जी से स्मार्ट मीटर नहीं लगा सकेंगी कंपनियां

**टीवी भारतवर्ष लखनऊ**

उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत नियामक आयोग ने स्मार्ट मीटर लगाने को लेकर महत्वपूर्ण आदेश जारी कर उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा की है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि पोस्टपेड या प्रीपेड विद्युत मीटर लगाने का अधिकार केवल उपभोक्ताओं का होगा। बिजली कंपनियां अपनी मर्जी से जबरन कोई भी स्मार्ट मीटर नहीं लगा सकेंगी। यह स्पष्ट दिशानिर्देश जारी करने वाला उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य बन गया है। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने 16 अप्रैल 2026 को लोक महत्व की याचिका दायर कर नए कनेक्शन और पुराने मीटर बदलने के मामलों में स्पष्ट नीति बनाने की मांग की थी। आयोग के चेयरमैन अरविंद कुमार और सदस्य संजय कुमार सिंह की पीठ ने सुनवाई के बाद यह आदेश पारित किया। आयोग ने उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक सहित सभी बिजली कंपनियों (डिस्कॉम) के प्रबंध निदेशकों को निर्देश दिया है कि विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 47(5) के तहत उपभोक्ता स्वेच्छा से पोस्टपेड या प्रीपेड मीटर का विकल्प चुन सकें। इस आदेश से लाखों बिजली उपभोक्ताओं को राहत मिली है। पहले कई क्षेत्रों में बिजली कंपनियां जबरन प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगा रही थीं, जिससे उपभोक्ताओं को आर्थिक परेशानी और तकनीकी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। स्मार्ट मीटर ऊर्जा दक्षता बढ़ाने और चोरी रोकने में उपयोगी हैं, लेकिन उपभोक्ताओं की सुविधा और पसंद को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। विद्युत उपभोक्ता परिषद के

अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने नियामक आयोग के आदेश का स्वागत किया है। वधेश कुमार वर्मा ने कहा- नियामक आयोग ने उपभोक्ताओं के साथ न्याय किया है। अब कोई भी कंपनी उपभोक्ता की इच्छा के विरुद्ध मीटर नहीं थोप सकेगी। यह फैसला बिजली उपभोक्ताओं के अधिकारों को मजबूत करता है। उम्मीद है कि इस आदेश से अन्य राज्यों में भी उपभोक्ता-अनुकूल नीतियां बनेंगी। बिजली कंपनियों को अब उपभोक्ताओं की लिखित सहमति के बाद ही मीटर लगाए जाएंगे। इस फैसले से पारदर्शिता बढ़ेगी और बिजली वितरण व्यवस्था में उपभोक्ता विश्वास मजबूत होगा।

## दिल्ली जा रही उड़ान लखनऊ डायवर्ट

**टीवी भारतवर्ष लखनऊ**

पुणे से दिल्ली जा रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान बीती रात खराब मौसम के चलते लखनऊ डायवर्ट कर दी गई। विमान दोबारा दिल्ली रवाना होता, उससे पूर्व ही क्रू सदस्यों की ड्यूटी अवधि पूरी हो गई। इसके चलते विमान को रद्द कर दिया गया। इससे यात्री नाराज हो गए और हंगामा करने लगे। एयरपोर्ट व एयरलाइन प्रशासन ने जैसे-तैसे यात्रियों को शांत करवाया। उन्हें दूसरे विमानों से रवाना किया गया। एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक, एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट संख्या आईएक्स-1231 शुक्रवार रात करीब 9:40 बजे लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लैंड हुई। यह विमान दिल्ली जा रहा था, लेकिन दिल्ली में अचानक खराब मौसम के चलते फ्लाइट को लखनऊ डायवर्ट कर दिया गया। विमान में कुल 166 यात्री सवार थे। यात्रियों को उम्मीद थी कि मौसम सामान्य होने पर उड़ान दिल्ली के लिए रवाना होगी, लेकिन विमान के स्टाफ की निर्धारित ड्यूटी अवधि पूरी हो जाने के कारण एयरलाइन ने उड़ान रद्द करने का निर्णय लिया। इसकी जानकारी मिलते ही कई यात्रियों ने एयरपोर्ट पर नाराजगी जताई और हंगामा शुरू कर दिया। स्थिति को संभालने के लिए एयरलाइन और एयरपोर्ट अधिकारियों ने वैकल्पिक व्यवस्था की। एयरलाइन्स अधिकारियों ने इनमें से 154 यात्रियों को लखनऊ से रात 1:14 बजे एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट आईएक्स-2073) से दिल्ली रवाना किया। शेष 12 यात्रियों को शनिवार सुबह 7:55 बजे दिल्ली जाने वाली फ्लाइट आईएक्स-1767 में टिकट उपलब्ध कराकर भेजा गया।

## भाजपा नेता हत्याकांड में 3 आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ पुलिस ने अयोध्या निवासी भाजपा युवा मोर्चा नेता शिवम सिंह हत्याकांड का खुलासा करते हुए 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल किया गया पत्थर भी बरामद किया है। वहीं, मामले का चौथा आरोपी अभी फरार है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। उस पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया है। इंस्पेक्टर विभूतिखंड अमर सिंह ने बताया सोमवार-मंगलवार की रात कुछ लड़कों ने सिगरेट के विवाद में साथियों के साथ मिलकर गोमतीनगर स्थित लखनऊ पब्लिक स्कूल, विनम्रखंड के पास शिवम सिंह पर हमला कर दिया था।v आरोपियों ने उन्हें पत्थर से बुरी तरह घायल कर मौके पर छोड़ दिया और फरार हो गए। गंभीर हालत में शिवम को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इस मामले में शिवम के भाई सौरभ सिंह निवासी रामनगर धौरहरा, अयोध्या की तहरीर पर 27 मई को विभूतिखंड थाने में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। उसी दिन इलाज के दौरान शिवम की मौत होने पर पुलिस ने आरोपियों की तलाश तेज कर दी। डीसीपी पूर्वी डॉक्टर दीक्षा शर्मा के निर्देशन में स्वाट, सर्विलांस और थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने सीसीटीवी फुटेज, टेक्निकल साक्ष्यों और अन्य सुरागों के आधार पर आरोपियों की पहचान की। जांच में शान्तनु उर्फ अंकित रावत, हनी तिवारी उर्फ विवेक, विवेक सिंह और अनुज सिंह के नाम सामने आए। पुलिस ने शुक्रवार को शान्तनु उर्फ अंकित रावत, हनी तिवारी उर्फ विवेक और विवेक सिंह को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद उनकी निशानदेही पर घटना में इस्तेमाल किया गया पत्थर बरामद किया गया। वहीं चौथा आरोपी अनुज सिंह फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लिए कई टीमें लगाई गई हैं और उस पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया है। जल्द फरार आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

# उन्नाव पुलिस ने एक अंतरराज्यीय लूट गिरोह का पर्दाफाश

## करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव पुलिस ने एक अंतरराज्यीय लूट गिरोह का पर्दाफाश करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस गिरोह ने एक ट्रक चालक को घायल कर 77 फ्रिज और 40 स्प्लिट एसी लूट लिए थे। एसओजी, सर्विलांस और अजगैन थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में मुख्य आरोपी को पुलिस मुठभेड़ के दौरान पकड़ा गया, जबकि चार अन्य आरोपियों को बिहार और कुशीनगर से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने लूटा गया कंटेनर, 47 फ्रिज, 40 स्प्लिट एसी और एक अवैध तमंचा बरामद किया है। एसएसपी जयप्रकाश सिंह, एएसपी अखिलेश सिंह और एएसपी शैलेंद्र लाल ने पुलिस लाइन सभागार में इस मामले का खुलासा किया। घटना 28 मई को हुई थी, जब कानपुर के नौबस्ता निवासी ट्रांसपोर्टर राजेश कुमार गुप्ता ने अजगैन थाने में मुकदमा दर्ज कराया। उन्होंने बताया कि उनका कंटेनर ट्रक गोदरेज कंपनी के फ्रिज और एसी लेकर आशाखेड़ा से कानपुर जा रहा था। रास्ते में बदमाशों ने चालक नीरज कुमार को घायल कर ट्रक लूट लिया था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक उन्नाव के निर्देश पर एसओजी, सर्विलांस और थाना अजगैन की एक संयुक्त टीम गठित की गई। जांच के दौरान पुलिस ने टोल प्लाजा और एक्सप्रेसवे के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। पुलिस को पता चला कि बदमाशों ने ट्रक का नंबर बदलकर NL 01 AH 7041 की जगह NE 01 AH 7044 कर दिया था, ताकि पहचान छिपाई जा सके। सर्विलांस टीम ने दो मोबाइल नंबरों को ट्रेस किया, जिनकी लोकेशन ट्रक के मूवमेंट के साथ मिल रही थी। ये दोनों नंबर बिहार और कुशीनगर क्षेत्र में सक्रिय पाए गए। तकनीकी साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस टीम कुशीनगर के कसया कस्बे स्थित स्वास्तिक ढाबे तक पहुंची और वहां घेराबंदी कर संदिग्धों को दबोच लिया। पूछताछ में खुलासा हुआ कि लूटे गए 77 फ्रिज में से 44 फ्रिज कसया स्थित रोशनी इलेक्ट्रॉनिक्स को बेच दिए गए थे। पुलिस ने दुकान से 32 फ्रिज बरामद किए, जबकि 12 फ्रिज बिना बिल के आगे बेचे जा चुके थे। इसके अलावा, लूटा गया कंटेनर मोतिहारी जिले के सुगौली क्षेत्र स्थित एक पेट्रोल पंप से बरामद किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में ढाबा संचालक विवेक मिश्रा, विकास वाल्मीकि, राजू उर्फ बलिराम सिंह और रोशनी इलेक्ट्रॉनिक्स का संचालक अविनाश सिंह शामिल हैं। इनकी निशानदेही पर पुलिस को घटना के मुख्य आरोपी छोट्टन चौधरी के बारे में जानकारी मिली। मुठभेड़ में दबोचा गया मुख्य आरोपी पुलिस को सूचना मिली कि मुख्य आरोपी छोट्टन चौधरी नवाबगंज क्षेत्र में फिर किसी वारदात की फिराक में घूम रहा है। चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के सामने गुरुद्वारा रोड पर पुलिस ने उसे घेरने का प्रयास किया तो उसने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में उसके दाहिने पैर में गोली लगी और वह घायल होकर गिर पड़ा। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से 315 बोर का तमंचा, एक जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस बरामद हुआ। बरामद हुआ करोड़ों का माल पुलिस ने कार्रवाई के दौरान लूटा गया कंटेनर, 47 फ्रिज और 40 स्प्लिट एसी बरामद किए हैं। बरामद सामान गोदरेज कंपनी का बताया गया है। कुल 127 बॉक्स पुलिस ने अपने कब्जे में लिए हैं। पुलिस का कहना है कि शेष सामान की भी तलाश की जा रही है।

## स्थानीय लोगों में आक्रोश, बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव के सदर कोतवाली क्षेत्र के लोकनगर मोहल्ले में शुक्रवार रात हुई बारिश के बाद आज सुबह 9 बजे एक बिजली के खंभे में करंट उतर आया। इसकी चपेट में आने से एक गाय की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर जमा हो गए। यह घटना पूर्व सभासद रामनरेश के घर के पास हुई। गाय की मौत के बाद क्षेत्रीय लोगों ने बिजली विभाग और स्थानीय प्रशासन के प्रति गहरा आक्रोश व्यक्त किया। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि बारिश के बाद बिजली के खंभों और तारों की नियमित जांच नहीं की जाती है, जिसके कारण खंभों में करंट उतर आता है। लोगों ने चिंता व्यक्त की कि यदि इस स्थान से कोई व्यक्ति गुजर रहा होता, तो एक बड़ा हादसा हो सकता था। मोहल्लेवासियों ने इस दौरान आवारा गोवंश की समस्या को भी उठाया। उनका कहना था कि गोशालाओं की व्यवस्था होने के बावजूद बड़ी संख्या में गायें सड़कों पर घूमती रहती हैं, जिससे आए दिन दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। लोगों ने सवाल किया कि यदि गोवंश के लिए पर्याप्त व्यवस्था है, तो पशु सड़कों पर क्यों भटक रहे हैं। नागरिकों ने बिजली विभाग से सभी खंभों और विद्युत लाइनों की तत्काल जांच कराने की मांग की है। उन्होंने प्रशासन से भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने, मामले की जांच करने और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा विद्युत सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की अपील की है।

## B.Ed प्रवेश परीक्षा में बड़ा बदलाव दो एडमिट कार्ड अनिवार्य

उन्नाव। बीएड प्रवेश परीक्षा में इस बार कई महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। अभ्यर्थियों को अब दो प्रवेशपत्र लाने होंगे और परीक्षा 31 मई को नकलविहीन संपन्न कराई जाएगी। इन बदलावों पर शुक्रवार को डीएसएन डिग्री कॉलेज में तैयारी बैठक की गई।सिटी मजिस्ट्रेट मनोज सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में केंद्राध्यक्षों, कक्ष निरीक्षकों, विश्वविद्यालय पर्यवेक्षकों और प्रशासन द्वारा नामित स्टेटिक मजिस्ट्रेट ने भाग लिया। उन्होंने बताया कि शासन की मंशा नकल विहीन परीक्षा संपन्न कराना है। इसके लिए प्रत्येक केंद्र पर स्टेटिक मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए हैं। परीक्षा कक्ष में कैलकुलेटर, मोबाइल, पेजर, डिजिटल घड़ी और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण पूरी तरह वर्जित रहेंगे। यह नियम कक्ष निरीक्षकों और सहयोगी स्टाफ पर भी लागू होगा। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि प्रो. जीतेंद्र कुमार बबेले ने बताया कि ओएमआर शीट तीन प्रतियों में होगी, विश्वविद्यालय, कोषागार और अभ्यर्थी के लिए। अभ्यर्थियों को इन प्रतियों को अलग नहीं करना होगा। नोडल समन्वयक डॉ. विपिन सिंह ने ओएमआर में भाषा और चुने हुए विषय वर्ग को अंकित करने की अनिवार्यता बताई।अभ्यर्थियों को दो प्रवेशपत्र निकलवाने होंगे। एक प्रवेशपत्र जिस पर आवेदन के समय लगाई गई फोटो चस्पा होगी, उसे कॉलेज में जमा करना होगा। दूसरा प्रवेशपत्र प्रवेश होने तक सुरक्षित रखना अनिवार्य है। अभ्यर्थी को ऑनलाइन आवेदन वाली फोटो लगी हस्ताक्षरित प्रवेशपत्र की एक प्रति कक्ष निरीक्षक को जमा करनी होगी।

## एसबीआई के एटीएम में एक महिला ठगी का शिकार हो गई

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

नवाबगंज कस्बे के बाईपास स्थित एसबीआई के एटीएम में शनिवार को एक महिला ठगी का शिकार हो गई। जालसाजों ने एटीएम से रुपए निकालने पहुंची महिला का कार्ड बदलकर दूसरे एटीएम से 40 हजार रुपए निकाल लिए। घटना की जानकारी होने पर महिला ने पुलिस और बैंक प्रबंधन से शिकायत की, जिसके बाद तत्काल कार्ड ब्लॉक कराया गया।जानकारी के अनुसार, भौली गांव के प्रधान लालता प्रसाद इन दिनों बीमार हैं और उनका इलाज लखनऊ के एक निजी अस्पताल में चल रहा है। शनिवार को उनकी बहू लक्ष्मी, पत्नी आदित्य, ससुर के इलाज के लिए रुपये निकालने एसबीआई के एटीएम पहुंची थीं। महिला ने बताया कि कई बार कार्ड लगाने के बावजूद रुपये नहीं निकले। इसी दौरान पीछे खड़े एक युवक ने मदद के बहाने कार्ड लेकर मशीन में लगाने का प्रयास किया। कुछ देर बाद उसने यह कहकर कार्ड वापस कर दिया कि कार्ड काम नहीं कर रहा है और इसे बैंक में दिखाना पड़ेगा। युवक के जाने के बाद महिला ने दोबारा कई बार प्रयास किया, लेकिन रुपये नहीं निकले। कुछ देर बाद उनके मोबाइल पर 40 हजार रुपए निकाले जाने का संदेश आया, जिससे वह घबरा गई। घबराई महिला बैंक पहुंची, जहां शाखा प्रबंधक ने खाते की जांच कर बताया कि रुपये किसी पीएनबी एटीएम से निकाले गए हैं। इसके बाद तत्काल कार्ड ब्लॉक कराया गया। पीड़िता ने बताया कि खाते में मौजूद राशि उसकी ननद की थी, जिसे ससुर के इलाज के लिए लखनऊ ले जाना था। मामले की शिकायत पुलिस को दे दी गई है। चौकी प्रभारी मुकुल दुबे ने बताया कि महिला की शिकायत के आधार पर जांच की जा रही है। एटीएम और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। संदिग्ध युवक की पहचान कर जल्द ही उसे गिरफ्तार किया जाएगा।

## लगभग 230 श्रद्धालु अयोध्या धाम के लिए रवाना हुए

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव के अकबरपुर दबौली गांव से लगभग 230 श्रद्धालु अयोध्या धाम के लिए रवाना हुए। सदर विधायक पंकज गुप्ता ने 'पंकज गुप्ता श्रवण कुमार तीर्थाटन यात्रा' के तहत इन भक्तों की टोली को झंडी दिखाकर विदा किया। यह यात्रा सरोसी विकासखंड के अंतर्गत आयोजित की गई। यह 'श्रवण कुमार तीर्थाटन यात्रा' निजी संसाधनों से संचालित की जाती है। इसका उद्देश्य समाज में भक्ति और सेवा भाव को बढ़ावा देना है। यात्रा को प्रभु श्रीराम की कृपा और बुजुर्गों के आशीर्वाद से निरंतर आगे बढ़ाया जा रहा है। इस अवसर पर सदर विधायक पंकज गुप्ता ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि यह क्षण उनके जीवन का अमूल्य और अविस्मरणीय अनुभव है। उन्होंने कहा कि श्रीराम जी की असीम कृपा से उन्हें अपने बड़े-बुजुर्गों और मातृ-तुल्य समाज के पावन चरणों को अयोध्या धाम की यात्रा कराने का माध्यम बनने का अवसर मिला है। विधायक ने इसे एक पुण्य कार्य बताया और कहा कि श्रद्धालुओं का आशीर्वाद ही उनकी सबसे बड़ी पूंजी है। इस मौके पर कोषाध्यक्ष अमित त्रिपाठी, संजय प्रधान, मंगल सिंह, अनिल प्रधान, सज्जन पंडित, दिनेश तिवारी, सहकारी बैंक समिति के अध्यक्ष विनय तिवारी, सुजीत गुप्ता, पूर्व प्रधान नन्हक्के रावत, के.पी. सिंह, महके सिंह, भोला बीडीसी, अंकित तिवारी, रामभरत सिंह, घनश्याम, पूर्व प्रधान गुड्डू मिश्रा, अरविंद सिंह, पवन सिंह, प्रदीप सिंह, सुमित सिंह, नीरज अवस्थी, रज्जन पांडे और विनयकांत प्रधान सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

## लंबे समय से चली आ रही जलभराव और गंदगी की समस्या का समाधान

सुमेरपुर विकास खंड के ग्राम बिहार स्थित प्रसिद्ध गौरीशंकर मंदिर के सामने नाली में ह्यूम पाइप डाल दिया गया है। इससे मंदिर के सामने लंबे समय से चली आ रही जलभराव और गंदगी की समस्या का समाधान हो गया है। ग्रामीणों और श्रद्धालुओं को अब आवागमन में सुविधा होगी। गौरीशंकर जन कल्याण समिति के पदाधिकारियों के अनुसार, पिछले दशहरे मेले के समय से ही यहां ह्यूम पाइप डालने की मांग की जा रही थी। मंदिर के सामने नाली का गंदा पानी बहने से श्रद्धालुओं और स्थानीय निवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। समिति ने इस संबंध में खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) सुमेरपुर, ग्राम पंचायत अधिकारी और ग्राम प्रधान से कई बार लिखित और मौखिक शिकायतें की थीं। हालांकि, हर बार उन्हें केवल आश्वासन ही मिला, जिससे क्षेत्रवासियों में प्रशासनिक अधिकारियों के प्रति असंतोष बढ़ रहा था। समस्या का समाधान न होने पर गौरीशंकर जन कल्याण समिति ने भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) की बीघापुर इकाई से संपर्क किया। भाकियू पदाधिकारियों ने मामले की गंभीरता को समझते हुए जल्द समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने चेतावनी दी थी कि यदि समय रहते ह्यूम पाइप डालकर रास्ता साफ नहीं कराया गया, तो यूनियन धरना-प्रदर्शन करेगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी ब्लॉक प्रशासन की होगी। भारतीय किसान यूनियन के कड़े रुख और ग्रामीणों के बढ़ते असंतोष के बाद ब्लॉक प्रशासन तुरंत सक्रिय हुआ। खंड विकास अधिकारी सुमेरपुर और ग्राम पंचायत अधिकारी (सचिव) धर्मेंद्र ने मामले का तत्काल संज्ञान लिया। उन्होंने मौके पर टीम भेजकर मंदिर के सामने नाली की सफाई कराई और युद्धस्तर पर ह्यूम पाइप डलवाने का कार्य पूरा करवाया। कार्य पूरा होने और मंदिर के सामने से गंदगी हटने पर गौरीशंकर जन कल्याण समिति तथा स्थानीय ग्रामीणों ने संतोष व्यक्त किया है। ग्रामीणों ने त्वरित कार्रवाई के लिए बीडीओ सुमेरपुर और ग्राम पंचायत अधिकारी धर्मेंद्र का विशेष रूप से धन्यवाद करते हुए प्रशासन के प्रति आभार जताया है। कार्य पूरा होने और मंदिर के सामने से गंदगी हटने पर गौरीशंकर जन कल्याण समिति तथा स्थानीय ग्रामीणों ने संतोष व्यक्त किया है। ग्रामीणों ने त्वरित कार्रवाई के लिए बीडीओ सुमेरपुर और ग्राम पंचायत अधिकारी धर्मेंद्र का विशेष रूप से धन्यवाद करते हुए प्रशासन के प्रति आभार जताया है।

# तेज आंधी, बारिश अपने पीछे तबाही का मंजर छोड़ गई

## जिले भर की बिजली आपूर्ति व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित

**शुक्रवार रात में हुई बारिश ने शहर में कई जगह जलभराव की स्थिति पैदा कर दी। शहर में पक्का बाग के पास कार एजेंसी के सामने मुख्य सड़क तालाब में तब्दील हो गई। इसके साथ ही भरथना चौराहा के पास, एकता कॉलोनी, अड्डा जालिम सहित कई मोहल्लों की गलियों में जलभराव हो गया।**

तेज आंधी, बारिश अपने पीछे तबाही का मंजर छोड़ गई। शुक्रवार रात आंधी-बारिश के चलते जिले भर की बिजली आपूर्ति व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हो गई। बिजली निगम के अनुसार जिले भर में करीब 50 से ज्यादा बिजली के पोल गिर गए या झुक गए जबकि छह स्थानों पर ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त हो गए। साथ ही लगभग 24 स्थानों पर बड़े-बड़े पेड़ गिर गए। इसके चलते शहर से लेकर गांवों तक बिजली आपूर्ति ठप हो गई। अधिकांश क्षेत्रों में पूरी रात बिजली गुल रही और शनिवार दोपहर तक भी आपूर्ति पूरी तरह सामान्य नहीं हो सकी। मौसम विभाग ने बीते 48 घंटों में जिले में 42 मिमी बारिश दर्ज की है। मौसम विभाग की चेतावनी के बाद शुक्रवार रात करीब नौ बजे शुरू हुआ आंधी और बारिश का दौर शनिवार सुबह तीन बजे तक चलता रहा। इस बीच रुक-रुककर कई बार तेज बारिश हुई। रात करीब 10:30 बजे 60 से 70 किमी की रफ्तार से चली आंधी ने नेशनल हाईवे पर वाहनों की गति को थाम दिया। लगभग 15 मिनट तक इटावा-कानपुर नेशनल हाईवे पर वाहन चालक हवाओं के कम होने का इंतजार करते नजर आए। आंधी शुरू होते ही सुरक्षा के मद्देनजर जिले की बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई थी। बारिश थमने के बाद जब आपूर्ति बहाल करने का प्रयास किया गया तो जगह-जगह पोल टूटे, लाइनें क्षतिग्रस्त और ट्रांसफार्मर फुंके मिलने से फाल्ट सामने आते गए। बिजली निगम की टीमें रातभर मरम्मत कार्य में जुटी रहीं, लेकिन कई इलाकों में आपूर्ति बहाल करने में घंटों लग गए। शहर के लाइनपार क्षेत्र में रात 12 बजे बिजली आई, लेकिन दो घंटे बाद फिर आपूर्ति बाधित हो गई। इसके बाद सुबह चार बजे आपूर्ति बहाल हो सकी। एकता कॉलोनी, विकास कॉलोनी, सिविल लाइन, चौगुर्जी, आवास विकास और नौरंगाबाद समेत कई मोहल्लों में रातभर बिजली की आवाजाही बनी रही। कई स्थानों पर बिजली सुबह होने के बाद ही बहाल हो सकी। लोगों ने बिजली निगम के कर्मचारियों से संपर्क किया तो उन्हें फाल्ट की जानकारी दी गई। उमस से राहत मिलने के बावजूद बिजली संकट के कारण अधिकांश लोगों की रात जागकर गुजरी। बकेवर में तेज हवा और बारिश का सबसे अधिक असर बकेवर-लखना बिजलीघर क्षेत्र में देखने को मिला। ग्रामीण क्षेत्र के पांचों फीडरों में फाल्ट आने से करीब डेढ़ सौ गांवों की बिजली आपूर्ति ठप हो गई। रात नौ बजे शुरू हुई बारिश के बाद सरायजलाल पटिया, लुधियानी और आरएल महेवा समेत सभी फीडरों की लाइनें प्रभावित हो गईं। शनिवार सुबह टकरूपुर से बकेवर बिजलीघर को आने वाली 33 केवी लाइन में भी फाल्ट आ गया, जिससे उपकेंद्र की आपूर्ति पूरी तरह बंद हो गई। जेई आशीष श्रीवास्तव ने टीम के साथ फाल्ट तलाश कर बीहड़ क्षेत्र में तारों पर गिरी पेड़ की टहनियां हटवाईं। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद सुबह साढ़े नौ बजे मुख्य लाइन चालू हो सकी। इसके बाद ग्रामीण फीडरों के फाल्ट दूर कर करीब 11 बजे बिजली आपूर्ति बहाल की गई। इससे गांवों को लगभग 14 घंटे बाद बिजली मिल सकी।

## कारोबारी के मोबाइल शोरूम पर जीएसटी एसआईबी का छापा

पीलीभीत के पूरनपुर में जीएसटी की विशेष अनुसंधान शाखा (एसआईबी) ने पारस मोबाइल शोरूम पर पुलिस के साथ शनिवार की शाम छापा मारा। इस दौरान कुछ कच्चे बिल मिलने पर उन्हें सील कर दिया गया। टीम ने स्टॉक मिलान शुरू किया। एसआईबी ने लखनऊ से सर्च वारंट लेकर व्यापारी के यहां पहुंचकर जांच की। अफसरों को शक है कि 80 करोड़ के मोबाइल फोन खरीद-फरोख्त पर 13.5 करोड़ रुपये का टैक्स बना है, लेकिन व्यापारी ने महज 24 लाख रुपये ही जमा किए। इस मामले में एसआईबी की टीम जांच में जुटी रही। इस कार्रवाई से आसपास व्यापारियों में खलबली रही। इस दौरान अधिकांश दुकानें बंद रहीं। छापे की कार्रवाई देर रात तक चलने की उम्मीद विभागीय अफसर जता रहे थे। मदद के लिए विभाग की अन्य टीमें भी बुलाई गई हैं। शनिवार शाम करीब साढ़े पांच बजे बरेली से आईएसआईबी टीम ने डिप्टी कमिश्नर अनिरुद्ध सिंह के नेतृत्व में छापा मारा। टीम में असिस्टेंट कमिश्नर वेद प्रकाश शुक्ला आदि शामिल थे। डिप्टी कमिश्नर अनिरुद्ध सिंह ने बताया कि शिकायत और सूचनाओं के आधार पर लखनऊ से सर्च वारंट जारी कराकर शनिवार को नगर के जूनियर हाईस्कूल वाली गली में पारस मोबाइल शोरूम पर छापा मारा गया। उन्होंने बताया कि जब से मोबाइल फोन व्यापारी ने जीएसटी में पंजीकरण कराया। तब से अब तक 80 करोड़ रुपये की खरीद-फरोख्त की गई। इसके लिए 13.5 करोड़ का टैक्स बनता है, मगर व्यापारी ने 24 लाख ही टैक्स जमा किया। बाकी टैक्स को समायोजित कर लिया। खरीद के अनुपात में बिक्री नहीं दिखाई। स्कूटनी में पाया गया कि व्यापारी ने टैक्स चोरी की है।

## परीक्षा केंद्र के बाहर अभिभावकों में भी असमंजस की स्थिति बनी रही

गोरखपुर में परीक्षा केंद्रों पर समस्याओं का सिलसिला खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है, अभी बीते दिनों एक परीक्षा में बने केंद्र पर निर्धारित संख्या से ज्यादे संख्या में अभ्यर्थियों को सीट एलाट कर दी गई थी जिसके बाद अभ्यर्थियों ने हंगामा मचाया, उसके बाद शनिवार को आयोजित CUET(UG) में एग्जाम देरी होने की वजह से अभ्यर्थियों के बीच गुस्सा फूट गया। जंगल धुसड़ स्थित एक परीक्षा केंद्र पर सैकड़ों छात्र हंगामा करने लगे। और अधिकारियों से से जवाब मांगते रहे। उनका आरोप है कि केंद्र पर पहुंचने के बाद उन्हें सीट पर बैठा कर घंटों इंतजार करवाया गया। फिलहाल एग्जाम मैनेजमेंट की ओर से एक नोटिस के माध्यम से यह सूचना दे दी गई थी कि टेक्निकल प्रॉब्लम को ठीक करने में टीम लगी हुई है। जैसे ही प्रॉब्लम खत्म होगा तुरंत एग्जाम शुरू कर दिया जाएगा। साथ ही अभ्यर्थियों अतिरिक्त समय दिए जाने का आश्वाशन भी दिया गया।एग्जाम सेंटर पर लगाए गए नोटिस के अनुसार, 30 मई को आयोजित CUET(UG) 2026 परीक्षा टेक्निकल दिक्कतों के कारण निर्धारित समय पर शुरू नहीं हो सकी। नोटिस में बताया गया कि परीक्षा संचालन से जुड़ी तकनीकी व्यवस्था में गड़बड़ी आने के कारण परीक्षा स्थगित करनी पड़ी। संबंधित तकनीकी टीम समस्या को दूर करने में जुटी रही। शनिवार को परीक्षा के होने के नाते अभ्यर्थी निर्धारित समय से पहले ही परीक्षा केंद्रों पर पहुंच गए थे। मुख्य गेट पर प्रवेश प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्हें कमरों में बैठा दिया गया, लेकिन काफी देर तक परीक्षा शुरू नहीं हुई। इसके बात अभ्यर्थियों का तनाव बढ़ने लगा। कई अभ्यर्थियों ने कहा कि उन्हें यह नहीं बताया जा रहा था कि परीक्षा आखिर कब शुरू होगी। कई घंटे बीत जाने के बाद भी परीक्षा शुरू नहीं होने पर छात्रों का धैर्य जवाब देने लगा। नाराज अभ्यर्थियों ने परीक्षा केंद्रों पर हंगामा किया और सिस्टम को घेरे में लेते हुए बोले को पहले से मैनेजमेंट क्यों नहीं तैयारी दुरुस्त रखा। अचानक तकनीकी समस्या सामने आने से उन्हें अनावश्यक परेशानी का सामना करना पड़ा। इसमें अभ्यर्थियों के गार्जियन भी काफी तनाव में आ गए। केंद्रों के बाहर देर तक अफरा तफरी की स्थिति बनी रही। सूत्रों के मुताबिक राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी की ओर से जारी सूचना में कहा गया कि टेक्निकल समस्या दूर करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। अभ्यर्थियों से परीक्षा कक्षों में बने रहने और केंद्र प्रशासन का सहयोग करने की अपील की गई। किसी भी छात्र का नुकसान नहीं होने दिया जाएगा और आवश्यक होने पर अतिरिक्त समय दिया जाएगा, परीक्षा एजेंसी ने हुई असुविधा पर खेद भी जताया है।

## प्रेमी-प्रेमिका के शव एक ही फंदे से पेड़ पर लटके मिलने से सनसनी फैल गई

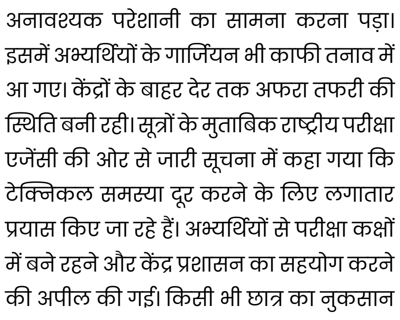

उत्तर प्रदेश बुलंदशहर के डिबाई इलाके में उस वक्त सनसनी फैल गई। जब एक लड़का और नाबालिग लड़की के शव पेड़ पर एक ही फंदे से लटके मिले। दोनों पिछले दो दिनों से अपने घरों से गायब थे। परिवार वाले लगातार उनकी तलाश कर रहे थे। घटना की खबर मिलते ही दोनों परिवारों में चीख-पुकार मच गई। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। बुलंदशहर जिले के डिबाई थाना क्षेत्र के गंगापुर गांव में रहने वाली लड़की हाईस्कूल की छात्रा थी। उसके पिता एक निजी कंपनी में नौकरी करते हैं। परिवार में पत्नी और तीन बच्चे हैं। घर से कुछ ही दूरी पर रहने वाला 21 वर्षीय गगन लोधी खेती-किसानी का काम करता था। बताया जा रहा है कि दोनों एक-दूसरे को काफी समय से जानते थे। उनके बीच प्रेम संबंध थे। लेकिन परिवार वालों को इसकी भनक नहीं थी। 27 मई को अचानक दोनों अपने-अपने घरों से लापता हो गए थे। बेटी के घर नहीं लौटने पर परिजनों ने काफी खोजबीन की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद लड़की के भाई ने डिबाई थाने में शिकायत देकर गगन पर बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाया था। पुलिस ने अपहरण की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी।